



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 31]
No. 31]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 14, 2000/पौष 24, 1921
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 14, 2000/PAUSA 24, 1921

उपभोक्ता तथा सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
(उपभोक्ता मामले विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 2000

का. आ. 43(अ).—केन्द्रीय सरकार अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन राजकोट सीड्स आयाल्स एंड बुलियन मर्चेन्ट्स एसोसिएशन लिमिटेड, राजकोट द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को एरंडा में अग्रिम संविदा के बारे में 1-4-2000 से 31-3-2002 (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) इस दो वर्ष की अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एसोसिएशन एतद्वारा मान्यता इस शर्त के अध्वधीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगी, जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएंगे।

[फा. सं. 12/(5)/आई. टी./98]

कमल किशोर, आर्थिक सलाहकार

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th January, 2000

S.O. 43(E).—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition, made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Rajkot Seeds Oils and Bullion Merchant's Association Ltd., Rajkot and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from 1-4-2000 to 31-3-2002 (both days inclusive) in respect of forward contracts in castor seed.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission

[F No 12/(5)/IT/98]

KAMAL KISHORE, Economic Adviser

